मैं बंगलामुखी दे लड़ लगीया

" मैं सब दर घूम के देख लऐ ,
बंगलामुखी जेहा कोई दरबार मिलीया
मैनू सारे ही गम भूल गये ने जदों बंगलामुखी दा मैनु प्यार मिलीया "

मैं बंगलामुखी दे लड़ लगीया , मेरे तो गम परे रहंदे
मेरी आसा उम्मीदा , दे सदा बूटे हरे रहन्दे.....॥

कदे वी लोड ना पैंदी , मैनु दर- दर तो मंगन दी ॥
मैं - मैं बंगलामुखी दी मंगती हाँ , मेरे पल्ले भरे रहंदे ...॥

मैं बंगलामुखी तो जो मंगया , मेरी झोली विच पाया ऐ ॥
मैं सच आखा जो मन्न दे ने , सदा ही ओ तरऐ रहन्दे ॥

पीला वस्त्र पीला शस्त्र , पीला है भोग माता ॥
पीले बाने पीले बाने , भगत पाके मईया दे चरणी खड़े रहन्दे ...॥
करो फरियाद नी सखियो , किते मेरी माँ ना रूस जावे ॥
जिहना नाल मात रूस जांन्दे , ऊ जिउदे जी मरे रहन्दे ॥

Singer -: Kumar - Sanjeev
Contact -: 098141 - 62145

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2741/title/main-bagalamukhi-de-larh-lagi-aa-mere-to-gum-pare-rehnde

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |